



प्रेस विज्ञप्ति / Press Release

सितंबर / September 2, 2020

राज्य में एमएसएमई पारितंत्र के विकास हेतु सिडबी ने महाराष्ट्र सरकार के साथ गठबंध किया

SIDBI joins hands with Govt. of Maharashtra for the development of MSME ecosystem in the State

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी), जो कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के संवर्द्धन, वित्तपोषण और विकास में संलग्न एक प्रमुख वित्तीय संस्था है, ने राज्य में एमएसएमई पारितंत्र को विकसित करने के लिए महाराष्ट्र सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) निष्पादित किया है। यह समझौता ज्ञापन महाराष्ट्र राज्य के उद्योग कैबिनेट मंत्री श्री सुभाष देसाई की उपस्थिति में महाराष्ट्र सरकार के सचिव (लघु और मध्यम उद्योग) व विकास आयुक्त (उद्योग) डॉ. हर्षदीप कांबले, आईएएस और सिडबी के उप प्रबंध निदेशक श्री वी. सत्य वैकटा राव द्वारा निष्पादित किया गया।

Small Industries Development Bank of India (SIDBI), the principal financial institution engaged in the promotion, financing and development of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME), has entered a Memorandum of Understanding (MoU) with the Government of Maharashtra to develop the MSME ecosystem in the State. The MoU was signed by Dr. Harshadeep Kamble, I.A.S., Secretary (Small & Medium Industries) & Development Commissioner (Industries), Government of Maharashtra and Shri V. Satya Venkata Rao, Deputy Managing Director, SIDBI, in the presence of Shri Subhash Desai, Cabinet Minister of Industries, Maharashtra State.

इस समझौते के तहत सिडबी द्वारा महाराष्ट्र सरकार के साथ एक परियोजना प्रबंधन इकाई (पीएमयू) तैनात की जाएगी। पीएमयू की भूमिका इक्विटी समर्थन, ब्याज सबवेंशन, दबावग्रस्त एमएसएमई इकाइयों के समाधान, एमएसएमई उद्यमियों को सहयोग करने और एमएसएमई इकाइयों की मौजूदा स्थिति के मूल्यांकन के आधार पर अन्य आवश्यकता-आधारित हस्तक्षेप को सुसाध्य बनाने की होगी। पीएमयू वर्तमान में चल रही योजनाओं, हस्तक्षेपों, पहलों, परियोजनाओं आदि, जो वर्तमान में राज्य में एमएसएमई की ओर लक्षित / लाभ के लिए

उपलब्ध हैं, के मौजूदा ढांचे का अध्ययन करेगा और उनकी प्रभावकारिता बढ़ाने तथा बाधाओं को दूर करने के उद्देश्य से आवश्यक संशोधनों के बारे में सुझाव देगा।

Under the agreement, a Project Management Unit (PMU) will be deployed by SIDBI with Government of Maharashtra. The role of the PMU will be to design schemes/programs in the areas of equity support, interest subvention, resolution of stressed MSMEs, supporting MSME entrepreneurs and facilitate other need-based intervention based on evaluation of the existing status of MSMEs. The PMU will study existing framework of schemes, interventions, initiatives, projects etc. which are currently available for the benefit of / targeted towards MSMEs in the State and shall suggest modifications, if any, with the objective of enhancing efficacy and removal of bottlenecks.

इस अवसर पर, सिडबी के उप-प्रबंध निदेशक श्री वी. सत्य वेंकटा राव ने कहा, “हमने पहले ही एमएसएमई के उत्थान के लिए विभिन्न रूपों में ज्यादा संकेंद्रित गठबंध के लिए राज्य सरकारों के साथ सहयोग करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रयोगिक चरण में हमने 11 राज्यों अर्थात् असम, नई दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में पीएमयू स्थापित करने के लिए एक विशेषज्ञ एजेंसी की नियुक्ति की है। इसके द्वारा सिडबी, सूक्ष्म और लघु उद्यमों पर जोर देने के अलावा उद्यम पारितंत्र को मजबूत करने के लिए राज्य सरकारों के साथ घनिष्ठ सहयोग बनाने का इरादा रखता है। हमारे इस गठबंध का लक्ष्य अच्छी प्रथाओं का पालन करना, मौजूदा कार्यक्रमों और नीतियों को फिर से जीवंत करना और अधिक संवेदनशील पारितंत्र को सक्षम बनाना होगा।”

On this occasion, Shri V. Satya Venkata Rao, Deputy Managing Director of SIDBI said, “We have already initiated the process of collaborating with State Governments for more focused engagement in various forms for the upliftment of MSMEs. We have appointed an expert agency for setting up PMUs in 11 states namely, Assam, New Delhi, Haryana, Rajasthan, Uttar Pradesh, Uttarakhand, Gujarat, Maharashtra, Karnataka, Andhra Pradesh and Tamil Nadu in the pilot phase. With this, SIDBI intends to cooperate closely with State Governments to strengthen the enterprise ecosystem with thrust on Micro and Small Enterprises. Imbibing good practices, rejuvenating existing programmes and policies, and enable more responsive ecosystem shall be the target of our joining of hands.”

यह विकासात्मक पहल, भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा एमएसएमई उद्यमों पर गठित यू.के. सिन्हा समिति की रिपोर्ट में दर्ज अपेक्षाओं से जुड़ी है। इससे एमएसएमई के संवर्द्धन और विकास के लिए राज्य सरकारों के साथ सिडबी की संकेंद्रित संलग्नता और बढ़ेगी। पीएमयू राज्य में एमएसएमई उद्यमों को डिजिटल प्लेटफॉर्म, जैसे - पीएसबीलोनसइन59मिनिट्स, स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध होना, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म यथा सरकारी ई-मार्केटप्लेस आदि पर खुद की ऑनबोर्डिंग के लिए पथ-प्रदर्शन करने की प्रक्रिया भी तैयार करेगा। इसके अलावा पीएमयू राज्य के भीतर और बाहर दोनों स्थलों की अच्छी प्रथाओं और दिशानिर्देशों की मैपिंग कर भंडार बनाने में भी संलग्न होगा और राज्य में अच्छी प्रथाओं को अपनाए जाने को सुसाध्य बनाएगा।

यह एमएसएमई के हितार्थ किए जा रहे हस्तक्षेपों के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक ढांचा तैयार करेगा और नीतिगत अनुसमर्थन के लिए निविष्टियाँ भी प्रदान करेगा।

This developmental initiative is aligned to expectations laid down in the UK Sinha Committee on MSMEs set up by the Reserve Bank of India (RBI). It envisions more focused engagement of SIDBI with State Governments for MSME promotion and development. The PMU will also prepare the process for handholding MSMEs in the State for their onboarding onto digital platforms such as PSBLoansIn59Minutes, Stock Exchange listing, e-commerce platforms such as Government e-Marketplace etc. Along with that, the PMU will also engage in mapping repository of good practices and guidelines both within and outside the State and facilitate adoption of good practices. It will create a framework for evaluating impact of interventions being made for the benefit of MSMEs and shall also provide inputs for policy advocacy.

सिडबी के बारे में : 1990 में अपने गठन के बाद से, सिडबी अपने एकीकृत, अभिनव और समावेशी दृष्टिकोण के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों के नागरिकों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। चाहे वे पारंपरिक, छोटे घरेलू उद्यमी हों, पिरामिड के सबसे निचले स्तर के उद्यमी हों, या फिर उच्च-स्तरीय ज्ञान आधारित उद्यमी हों, सिडबी ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) के जीवन को विभिन्न ऋणों तथा विकास कार्यों के माध्यम से प्रभावित किया है। सिडबी 2.0 अपने साथ समावेशी, अभिनव और प्रभाव-उन्मुख संलग्नकता की दृष्टि को लेकर चल रहा है।

अधिक जानने के लिए, देखें : <https://www.sidbi.in>

About SIDBI: Since its formation in 1990, SIDBI has been impacting the lives of citizens across various strata of the society through its integrated, innovative and inclusive approach. Be it traditional, domestic small entrepreneurs, bottom-of-the-pyramid entrepreneurs, to high-end knowledge-based entrepreneurs, SIDBI has directly or indirectly touched the lives of Micro and Small Enterprises (MSEs) through various credit and developmental engagements. SIDBI 2.0 carries the vision of inclusive, innovative and impact-oriented engagements.

To know more, check out: <https://www.sidbi.in>

मीडिया संपर्क: नीलाश्री बर्मन, मोबाइल: +91 8879760249, ई मेल: neelasrib@sidbi.in

Media contact: Neelasri Barman, Mobile: +91 8879760249, E-mail: neelasrib@sidbi.in